अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
22 मई, 2013

भारत जैव विविधता की दृष्टि से एक प्रधान देश है और यहाँ की जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों में घनिष्ठ सम्बन्ध है। जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हमारे लिए आवश्यक हो गया है जिससे भविष्य के लिए उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

वन अनुसंधान संस्थान में जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों के सरंरक्षण पर विचार विमर्श के लिए अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदशक डॉ0 पी0पी0भौजवैद ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों का सतत् संरक्षण हम सभी का कर्तव्य है। उन्होने वन अनुसंधान संस्थान सम विश्व विद्यालय के क्षात्रों का जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक होने के लिए आहवान किया। उन्होनें कहा कि भविष्य में जैव विविधता संरक्षण में उनकी मुख्य जिम्मेदारी रहेगी। जैव विविधता के अध्ययन में प्रत्येक प्रजाति को उचित स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होने बताया कि जैव विविधता संरक्षण आजकल देश–विदेश में एक मुख्य मुद्दा बन गया है।

निदेशक महोदय ने छात्रों से आग्रह किया कि वे संस्थान में उपस्थित जैव विविधता को व्यवस्थित रखने में सक्रिय भूमिका निभाऐं।

डॉ0 एस.पी.सिंह, चेयर आफ एक्सिलेन्स, एफ.आर.आई सम विश्व विद्यालय ने जैव विविधता परिस्थितिकीय तंत्र प्रणाली तथा पारिस्थितिकीय तंत्र कार्य एवं लाभ पर व्याख्यान दिया। उन्होनें बताया कि जैव विविधता का उद्भव परिस्थितिकीय तंत्र से हुआ है और दोनो का घनिष्ठ सम्बन्ध है इसलिए परिस्थितकीय तंत्र को अनूकूल बनाने के लिए जैव विविधता का संरक्षण आवश्यक है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक तथा मुख्य अथिति डॉ0 वी.के. बहुगुणा ने भी अपने सम्बोधन में जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण सम्बन्धी शोध कार्य विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों को सामूहिक रूप से करने चाहिए जिससे प्रत्येक पहलू को शामिल किया जा सके। उन्होनें यह भी कहा कि भारत की जैव विविधता के संरक्षण के लिए एक स्पष्ट नीति बननी चाहिए। उन्होनें पानी के प्राकृतिक स्त्रोतों तथा उनके संरक्षण के लिए कार्य करने पर विशेष बल दिया। उन्होनें बताया कि जलवायु परिवर्तन भी जैव विविधता को प्रभावित करता है। इस दिशा में अधिक से अधिक अनुसंधान कार्य करने की आवश्यकता है।

संस्थान के विस्तार प्रभाग की प्रमुख श्रीमती जयश्री आरडे चौहान ने सभी का धन्यवाद अदा किया।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के सभी उपमहानिदेषक, सहायक महानिदेषक, तथा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान के सभी प्रभाग प्रमुख, अधिकारी, एवं अन्य वैज्ञानिकगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि महानिदेशक डॉ. वी.के.बहुगुणा द्वारा प्रदर्शनी का विधिवत् उद्घाटन

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. वी.के.बहुगुणा एवं निदेशक डॉ. पी .पी .भोजवैद

प्रदर्शनी का अवलोकन

निदेशक वन अनुसंधान संस्थान मुख्य अतिथि का अभिवादन करते हुए

मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गोष्ठी का शुभारम्भ

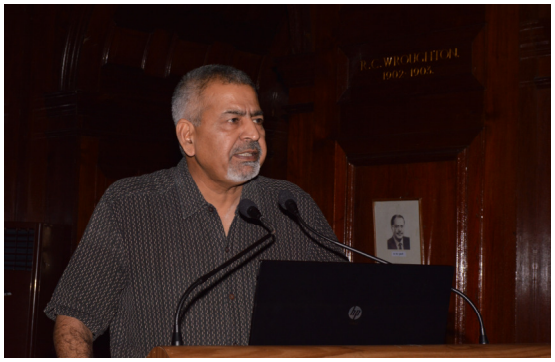

निदेशक वन अनुसंधान संस्थान द्वारा स्वागत भाषण

मुख्य वक्ता प्रो0 एस.पी.सिंह द्वारा जैव विविधता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान

मुख्य अतिथि द्वारा जैव विविधता दिवस के उपलक्ष्य में सम्बोधन

प्रमुख विस्तार प्रभाग जयश्री आरडे द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव

डॉ0 मनीषा थपलियाल वैज्ञानिक द्वारा कार्यक्रम का संचालन

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

****